Old Godavari Bridge and putting it to some alternative use instead of dismantling the Structure and selling off its retrievable materials as scrap.

(c) Yes, Sir.

(d) The Railway has no objection to handing over the Bridge to the State Govt./Local Municipality if the latter agrees to pay for all the retrievable materials thereof like the released girders etc. at the market rates and also to provide at its own cost suitable Road Over/Under Bridges to serve as Road Approaches to the Bridge. The matter has been discussed in detail in a recent meeting with the Principal Secretary, Roads & Buildings, Govt. of Andhra Pradesh. Decision of the State Govt. is, however, still awaited.

हरियाणा एक्सप्रेस में लिया जाने वाला अधिक किराया

3790. **श्री रामजी लाल:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हरियाणा एक्सप्रेस में दिल्ली से सिरसा तक ए०सी०-II श्रेणी का किराया कालका मेल और शताब्दी एक्सप्रेस में लिये जाने वाले उतनी ही दूरी के किराये से अधिक है;

(ख) क्या यह भी तय है कि हरियाणा एक्सप्रेस में कोई ए०सी० चैयर कार नहीं है जिसके प्रणिामस्वरूप इस गाड़ी में बहुत कम यात्री ही यात्रा कर सकते हैं और उन्हें कम दूरी के लिये अधिक किराया देना पड़ता है;

(ग) क्या सरकार को इस संबंध में कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में कब तक निर्णय ले लिया जायेगा?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) हरियाणा एक्सप्रेस द्वारा नई दिल्ली से सिरसा तक की दूरी 264 कि० मी० है और वाता० 2 टियर स्लीपर का मूल किराया 459/- रुपये है। इस दूरी के लिए वाता० 2 टियर स्लीपर का मूल किराया कालका मेल सहित सभी मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों के लिए एक समान है। शताब्दी एक्सप्रेस गाड़ियों में केवल वाता० कुर्सीयान और एक्जिक्यूटिव श्रेणी होती है नाकि वाता० 2 टियर स्लीपर, शताब्दी एक्सप्रेस गाड़ियों में उपरोक्त दूरी के लिए वाता० कुर्सीयान और एक्जिक्यूटिव दर्जे का किराया क्रमशः 275/- रु० और 570/- रु० है। शताब्दी एक्सप्रेस के किरायों की तुलना साधारण मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों के किरायों से नहीं की जा सकती है क्योंकि शताब्दी एक्सप्रेस के किरायों में आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिप्रभार, खानपान प्रभार आदि शामिल हैं।

(ख) से (घ) इस संबंध में कुछ अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं लेकिन रेलों पर वातब्रेक वाता० कुर्सीयान की कमी के कारण हरियाणा एक्सप्रेस में वाता० कुर्सीयानों की व्यवस्था व्यावहारिक नहीं है। उच्च श्रेणी के यात्रियों की सुविधा के लिए हरियाणा एक्सप्रेस में एक प्रथम दर्जा कुर्सीयान और एक वाता० 2 टियर सवारी डिब्बे की व्यवस्था है।

Outstanding dues of Maharashtra Government towards Railways

3791. PROF. RAM KAPSE: Will the Minister of RAILWAYS be plesed to state:

(a) whether Government had received in February, 1996, a letter from Hon'ble Minister of State for Home, Government of Maharashtra requesting for payment of outstanding dues from Railway Administration on account of expenditure incurred on Railway Police by Government of Maharashtra;

(b) if so, the details of the outstanding dues;

(c) the reasons for non-payment of the amount; and

(d) by when Government propose to make payment of these dues, in full?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) yes, Sir.

(b) to (d) An amount of Rs. 15.66 crores as on 31.3.97 was payable to the State Government. The main reasons for non clearance of dues are:

(i) Requisite Audit Certificate not being sent with the bills by the State Govt.

(ii) Unilateral creation of GRP posts by the State Govt. without the approval of Railway Administration.

(iii) Non availability of funds.

Railways have already been instructed to settle all clearly admissible claims of State Government on this account subject to availability of funds.

मध्य रेलवे के अन्तर्गत भोपाल रेलवे डिवीजन के साथ संसद सदस्यों की बैठक

3792. **श्री राघवजी:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य रेलवे की भोपाल डिवीजन के साथ संसद सदस्यों की पिछली बैठक किस तारीख को हुई थी;

(ख) उक्त बैठक में क्या-क्या सुझाव दिये गये थे और किन-किन सुझावों का कार्यान्वयन प्रारम्भ कर दिया गया है तथा इस सम्बन्ध में आज की तारीख तक कितनी प्रगति हुई है; और

(ग) किन-किन सुझावों पर अभी तक भी कार्यान्वयन शुरू नहीं किया गया है और कार्यान्वयन न करने के क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) मध्य रेल के भोपाल मंडल के अधिकारियों के साथ संसद सदस्यों की अंतिम बैठक 29.1.1997 को आयोजित की गई थी।

(ख) और (ग) सूचना एकत्रित की जा रही है तथा सभा पटल पर रख दी जाएगी।

Withholding of Coach Orders to Bharat Earth Movers Limited

3793. SHRI MUKESH R. PATEL:
SHRI SANJAY NIRUPAM:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have withheld orders for coach manufacturing to Bharat Earth Movers Ltd., Bangalore, if so, the reasons therefor;

(b) the requirement of railway coaches in our country per annum; and

(c) whether some agreements have been signed with other countries to meet the coach requirement in our country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) No, Sir.

(b) The total requirement of coaches and EMUs projected during the IX Plan is about 12,500 coaches i.e. approximately 2,500 numbers per annum.

(c) For upgradation of technology, an order for supply of 24 modern light weight high speed coaches alongwith transfer of technology, has been placed on 16.10.95 on M/s Linke-Hoffman-Busch, Germany.

मुगलसराय-पटना-हावड़ा रेल लाइन का विद्युतीकरण

3794. **श्री राजनाथ सिंह सूर्य:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मुगलसराय-पटना-हावड़ा रेल लाइन का अभी तक विद्युतीकरण नहीं किया गया है और इस लाइन पर रेलगाड़ियां देरी से चल रही हैं और इसके परिणामस्वरूप यात्रियों को कठिनाई होती है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस रेल लाइन के विद्युतीकरण के लिए कोई ठोस कदम उठाए जाने का कोई प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस कार्य को कब तक पूरा कर लिए जाने की सम्भावना है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) मुगलसराय-पटना-सीतारामपुर खंड पर विद्युतीकरण का कार्य प्रगति पर है तथा सीतारामपुर से हावड़ा तक का खंड पहले से विद्युतीकृत है। हालांकि डीजल कर्षण पर पैसेंजर गाड़ियां संतोषजनक ढंग से चल रही हैं।

(ग) से (घ) सीतारामपुर से जसीडीह खंड ऊर्जित किया जा चुका है। सीतारामपुर-पटना-मुगलसराय पूरे खंड को दिसंबर, 1999 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।